وَإِذْ غَدَوْتَ مِنْ أَهْلِكَ تُبَوِّئُ ٱلْمُؤْمِنِينَ مَقَٰعِدَ لِلْقِتَالِ ۗ وَٱللَّهُ
سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿١٢١﴾ إِذْ هَمَّت طَّآئِفَتَانِ مِنكُمْ أَن تَفْشَلَا
وَٱللَّهُ وَلِيُّهُمَا ۗ وَعَلَى ٱللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ ٱلْمُؤْمِنُونَ ﴿١٢٢﴾ وَلَقَدْ نَصَرَكُمُ
ٱللَّهُ بِبَدْرٍ وَأَنتُمْ أَذِلَّةٌ ۖ فَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿١٢٣﴾ إِذْ
تَقُولُ لِلْمُؤْمِنِينَ أَلَن يَكْفِيَكُمْ أَن يُمِدَّكُمْ رَبُّكُم
بِثَلَٰثَةِ ءَالَٰفٍ مِّنَ ٱلْمَلَٰٓئِكَةِ مُنزَلِينَ ﴿١٢٤﴾ بَلَىٰٓ ۚ إِن تَصْبِرُوا۟
وَتَتَّقُوا۟ وَيَأْتُوكُم مِّن فَوْرِهِمْ هَٰذَا يُمْدِدْكُمْ رَبُّكُم
بِخَمْسَةِ ءَالَٰفٍ مِّنَ ٱلْمَلَٰٓئِكَةِ مُسَوِّمِينَ ﴿١٢٥﴾ وَمَا جَعَلَهُ ٱللَّهُ
إِلَّا بُشْرَىٰ لَكُمْ وَلِتَطْمَئِنَّ قُلُوبُكُم بِهِۦ ۗ وَمَا ٱلنَّصْرُ إِلَّا
مِنْ عِندِ ٱللَّهِ ٱلْعَزِيزِ ٱلْحَكِيمِ ﴿١٢٦﴾ لِيَقْطَعَ طَرَفًا مِّنَ ٱلَّذِينَ
كَفَرُوٓا۟ أَوْ يَكْبِتَهُمْ فَيَنقَلِبُوا۟ خَآئِبِينَ ﴿١٢٧﴾ لَيْسَ لَكَ مِنَ
ٱلْأَمْرِ شَىْءٌ أَوْ يَتُوبَ عَلَيْهِمْ أَوْ يُعَذِّبَهُمْ فَإِنَّهُمْ ظَٰلِمُونَ ﴿١٢٨﴾
وَلِلَّهِ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ ۚ يَغْفِرُ لِمَن يَشَآءُ
وَيُعَذِّبُ مَن يَشَآءُ ۚ وَٱللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿١٢٩﴾

Theme	
Lessons from the Battle of Uhud. Allah's help to the believers. Prophet does not have the authority to pardon the sinners.	ग़ज़वा-ए-उहुद से हासिल होने वाले असबाक़। अहल-ए-ईमान के लिए अल्लाह तआला की मदद। नबी ﷺ को गुनाहगारों को माफ़ करने का इख़्तियार नहीं है।
Tarjumani	
O Muhammad, remember that	(ऐ पैग़म्बर, मुसलमानों के सामने उस मौक़े

morning when you left your household at an early hour to assign the believers to their battle-posts (in the Battle of Uhud): Allah hears and knows everything. Remember, when two parties from among you became fainthearted and Allah protected them through strengthening their hearts. In Allah should the believers put their trust. Allah helped you at the Battle of Badr when you were helpless. Therefore, have fear of Allah; perhaps you may become thankful. Remember, when you said to the believers, "Is it not enough that Allah should send down three thousand angels to help you? Of course! If you remain patient and pious, Allah will send to your aid not three thousand but, five thousand specially marked angels in case of a sudden attack from the enemy Allah has told you this as good news and that disappointment. your hearts may be at ease thereby, victory comes only from Allah, the Mighty, the Wise to (Allah sent the aid of Angels for the believers to offset the aid of shaitans to the unbelievers) so that He might cut off a flank of the unbelievers of put them to flight, making them withdraw with utter O Prophet, you have no authority to decide the affair, it is up to Allah whether to pardon or punish them since they are wrongdoers To Allah	का ज़िक्र करो) जब तुम सुब्ह सवेरे अपने घर से निकले थे और (उहुद के मैदान में) मुसलमानों को जंग के लिए जा-ब-जा मामूर कर रहे थे	अल्लाह सारी बातें सुनता है और वह निहायत बाख़बर है| याद करो जब तुममें से दो गरोह बुज़दिली दिखने पर आमादा हो गए थे, हालाँकि अल्लाह उनकी मदद पर मौजूद था, और मोमिनों को अल्लाह ही पर भरोसा रखना चाहिए	आख़िर इससे पहले जंगे-बद्र में अल्लाह तुम्हरी मदद कर चुका था, हालाँकि उस वक़्त तुम बहुत कमज़ोर थे	लिहाज़ा तुमको चाहिए कि अल्लाह नाशुक्री से बचो	उम्मीद है कि अब तुम शुक्रगुज़ार बनोगे	ऐ नबी, याद करो जब तुम मोमिनों से कह रहे थे, "क्या तुम्हारे लिए यह बात काफ़ी नहीं कि अल्लाह तीन हज़ार फ़रिश्ते उतारकर तुम्हारी मदद करे? बेशक, अगर तुम सब्र करो और ख़ुदा से डरते हुए काम करो तो जिस आन दुश्मन तुम्हारे ऊपर चढ़कर आऐंगे उसी आन तुम्हारा रब (तीन हज़ार नहीं) पाँच हज़ार साहिबे-निशान फरिश्तों से तुम्हारी मदद करेगा	यह बात अल्लाह ने तुम्हें इसलिए बता दी है कि तुम ख़ुश हो जाओ और तुम्हारे दिल मुत्मइन हो जाएँ	फ़तह व नुसरत जो कुछ भी है अल्लाह की तरफ़ से है जो बड़ी कुव्वतवाला और दाना व बीना है	(और यह मदद वह तुम्हे इसलिए देगा) ताकि कुफ़्र की राह चलनेवालों का एक बाज़ू काट दे, या उनको ऐसी ज़लील शिकस्त दे कि वे नामुरादी के साथ पस्पा हो जाएँ	(ऐ पैग़म्बर) फ़ैसले के इखतियारात में तुम्हारा कोई हिस्सा नहीं, अल्लाह को इखतियार है चाहे उन्हें माफ़ करे, चाहे सज़ा दे, क्योंकि वे ज़ालिम हैं	

belongs all that is in the Heavens and in the earth. He pardons whom He pleases and punishes whom He pleases. Allah is Forgiving, Merciful.	ज़मीन और आसमानों में जो कुछ है उसका मालिक अल्लाह है, जिसको चाहे बख्स दे और जिसको चाहे अज़ाब दे, वह माफ़ करनेवाला और रहीम है	
Tafsir	